खास-खबरें

एफपीआई ने किया 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में जुलाई में अब तक 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश बाजार में लगायी गयी पूंजी और बाजार से निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है।

यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल बने हुए हैं। इससे पहले जून में उन्होंने 4,699 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। एफपीआई ने एक जुलाई से 17 जुलाई तक इक्विटी में 11,897 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। डेट, हाइब्रिड उपकरणों और म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे हैं।

डेट में एफपीआई का शुद्ध निवेश 9,114 करोड़ रुपये रहा। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 83 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 923 करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई ने इस साल भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,91,353 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसमें इक्विटी में उनका निवेश 2,62,376 करोड़ रुपये कम हुआ है। वहीं, डेट और म्यूचुअल फंड में उन्होंने और पैसा लगाया है।

आरएसडब्ल्यूएम बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए परिधान निर्माण में रखेगी कदम

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः विभिन्न देशों के साथ व्यापार संधि और बढ़ती घरेलू मांग के मद्देनजर वस्त्र उद्योग की प्रमुख कंपनी आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने पर विचार कर रही है।

राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल के नाम से 1958 में राजस्थान के भिलवाड़ा में स्थापित कंपनी फिलहाल धागे और कपड़े बनाती है। आरएसडब्ल्यूएम के संयुक्त प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने समाचार एजेंसी 'यूनीवार्ता' को एक विशेष बातचीत में बताया कि भारत से धागा तथा कपड़ा बंगलादेश, श्रीलंका और वियतनाम को निर्यात किये जाते हैं। वे भारत से कपड़ा खरीदकर उसकी रंगाई करके उससे परिधान बनाते हैं और यूरोपीय तथा दूसरे बाजारों में बेचते हैं। अब तक भारत से जाने वाले सिले-सिलाये कपड़ों यानी परिधानों पर ब्रिटेन और यूरोपीय बाजारों में आठ से 12 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। वहीं, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका या वियतनाम से जाने वाले परिधानों पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसलिए, भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते थे।

उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता 15 जुलाई से प्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि आठ-नौ महीने में लागू होने की उम्मीद है। कुल नौ एफटीए (या व्यापार संधि) हुए हैं। इन सबसे भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए लगभग 250 अरब डॉलर का बाजार खुला है, जहां पहले शुल्क के कारण हम पीछे थे।'

व्यापार संधियों से पैदा हुए अवसर को देखते हुए परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्री गुप्ता ने कहा, 'हमारे लिए परिधान बनाना स्वाभाविक है और हम उस पर विचार कर रहे हैं।

आईडीबीआई बैंक का पहली तिमाही का लाभ 5 प्रतिशत बढ़ कर 2115 करोड़ रुपये

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,115 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दिखाया है जो एक साल पहले इसी तिमाही की तुलना में 5 प्रतिशत तथा पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक की वृद्धि दर्शाता है। आईडीबीआई लि. ने शनिवार को 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2026) तिमाही रिपोर्ट में बताया कि इस दौरान उसकी शुद्ध ब्याज से आय 3,486 करोड़ रुपये रही, जो वार्षिक आधार पर 10 प्रतिशत ज्यादा है। बैंक की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान उसका कुल कारोबार बढ़कर 5,84,725 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल इसी तिमाही की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही के अंत में बैंक की कुल जमा वार्षिक आधार पर दस प्रतिशत बढ़ कर 3,25,757 करोड़ रुपये और कुल अग्रिम 22 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ शुद्ध अग्रिम बढ़कर 2,58,968 करोड़ रुपये पर रहा।

आलोच्य तिमाही में बैंक का कासा (चालू खाता एवं बचत खाता) एक साल पहले से सात प्रतिशत बढ़कर 1,42,162 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान सकल एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत पर आ गया, जो सालाना आधार पर प्रतिशत 0. 63 अंक का सुधार दर्शाता है। बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 0.16 प्रतिशत रह गया, जो वार्षिक आधार पर प्रतिशत 0.5 अंक कम है।

स्मार्टफोन बाजार में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी छह वर्ष के निचले स्तर पर

महंगे उपकरणों की बढ़ती कीमतों से बिक्री घटी, दक्षिण कोरियाई और अन्य वैश्विक कंपनियों ने बढ़ाई पकड़

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः देश के स्मार्टफोन बाजार में अप्रैल से जून तिमाही के दौरान उपभोक्ताओं के रुझान में बड़ा बदलाव देखने को मिला। इस अवधि में चीनी कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी घटकर छह वर्षों के सबसे निचले स्तर 18 प्रतिशत पर पहुंच गई। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग तथा नथिंग और गूगल पिक्सल जैसे अन्य वैश्विक ब्रांडों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

बाजार अनुसंधान संस्था काउंटरपॉइंट की रिपोर्ट के अनुसार जून तिमाही में स्मार्टफोन की कुल बिक्री वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 10 प्रतिशत घटी। यह पिछले छह वर्षों में जून तिमाही की सबसे बड़ी गिरावट मानी गई है। सबसे अधिक प्रभाव 15 हजार रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन पर पड़ा, जिनकी बिक्री में 45 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार इस गिरावट का प्रमुख कारण स्मृति चिप की कीमतों में तेज वृद्धि रही। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2025 से अब तक स्मार्टफोन में उपयोग होने वाली स्मृति चिप की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। इसके कारण अप्रैल-जून तिमाही में स्मार्टफोन की औसत कीमतों में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अनुमान है कि आने वाले महीनों में स्मृति चिप की कीमतें पांच गुना तक बढ़ सकती हैं। इसी आधार पर पूरे वर्ष स्मार्टफोन की कुल बिक्री में 13 प्रतिशत तक गिरावट आने का अनुमान

व्यक्त किया गया है।

चीनी कंपनियों में ओप्पो, वीवो, शाओमी, रियलमी, वनप्लस, आईक्यू और पोको का कारोबार मुख्य रूप से कम कीमत वाले स्मार्टफोन पर आधारित है। कीमतों में वृद्धि का सबसे अधिक असर इन्हीं कंपनियों पर पड़ा, जिससे उनकी बाजार हिस्सेदारी वर्ष 2020 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

बिक्री के आधार पर शीर्ष पांच कंपनियों में केवल सैमसंग की बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी। कंपनी की गैलेक्सी ए और एस श्रृंखला के स्मार्टफोन की मांग मजबूत रही। वहीं नथिंग सबसे तेज वृद्धि दर्ज करने वाला ब्रांड रहा, जिसकी बिक्री में 105 प्रतिशत का उछाल आया। प्रीमियम श्रेणी में गूगल पिक्सल ने आक्रामक विपणन रणनीति और स्थिर कीमतों के बल पर 68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

इंस्टाग्राम और फेसबुक की सेवाएं बाधित, हजारों उपयोगकर्ता प्रभावित

प्रोफाइल, समाचार प्रवाह और स्टोरी नहीं हो रहीं प्रदर्शित कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम की सेवाएं रविवार को अचानक बाधित हो गईं। इसके साथ ही फेसबुक और मैसेंजर का उपयोग करने वाले अनेक लोगों को भी तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सेवाओं में आई इस रुकावट से दुनियाभर के हजारों उपयोगकर्ता प्रभावित हुए। हालांकि भारत से बड़े स्तर पर किसी समस्या की सूचना नहीं मिली।

सेवा बाधाओं पर नजर रखने वाली वेबसाइट के अनुसार इंस्टाग्राम पर चार हजार से अधिक उपयोगकर्ताओं ने शिकायत दर्ज कराई। वहीं फेसबुक पर तीन हजार से अधिक लोगों ने सेवाओं में परेशानी की जानकारी दी, जबकि मैसेंजर के संबंध में भी एक सौ से अधिक शिकायतें सामने आईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह तकनीकी समस्या वैश्विक स्तर पर देखी गई।

अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि सेवाएं बाधित होने का कारण क्या

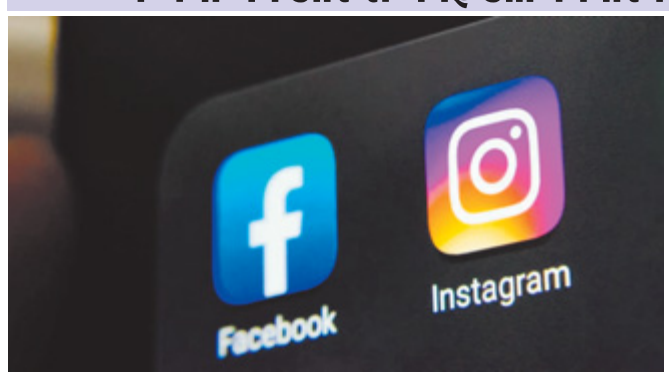

रहा। सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनी की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सेवाओं में आई रुकावट के बाद अनेक उपयोगकर्ताओं ने अन्य सामाजिक मंचों पर अपनी समस्याएं साझा कीं। कुछ लोगों ने बताया कि उनका समाचार प्रवाह तो दिखाई दे रहा है, लेकिन वे अपनी प्रोफाइल नहीं देख पा रहे हैं। कई उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि मुख्य पृष्ठ प्रदर्शित नहीं हो रहा और वे स्टोरी प्रकाशित करने में असमर्थ हैं। कुछ लोगों ने शिकायत की कि उन्हें समाचार प्रवाह में केवल स्वागत पृष्ठ दिखाई दे रहा है और कोई नई सामग्री प्रदर्शित नहीं हो रही। कई उपयोगकर्ताओं ने रिक्त समाचार प्रवाह के चित्र भी साझा किए। फेसबुक का उपयोग करने वाले लोगों को प्रवेश करने और समाचार प्रवाह देखने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ा। कई उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर यह संदेश प्रदर्शित हुआ कि तकनीकी कारणों से उनका खाता फिलहाल उपलब्ध नहीं है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका के टेनेसी तक अनेक देशों और क्षेत्रों से ऐसी शिकायतें सामने आईं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने बताया कि वे मोबाइल पर सेवा का उपयोग कर पा रहे हैं, जबकि संगणक पर उन्हें लगातार तकनीकी त्रुटि का सामना करना पड़ रहा है।

एनवीडिया प्रमुख की काली चमड़े की जैकेट 9.4 करोड़ रुपये में नीलाम

- अनुमान से 16 गुना अधिक मिली कीमत
- पूरी राशि युवा नवप्रवर्तकों और अनुसंधान कार्यों पर होगी खर्च

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसीः अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग की पहचान बन चुकी काली चमड़े की जैकेट 9.60 लाख अमेरिकी डॉलर अर्थात लगभग 9.4 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है। नीलामी का आयोजन सोथबी द्वारा किया गया। इस जैकेट के लिए पहले 40 हजार से 60 हजार अमेरिकी डॉलर अर्थात लगभग 33 लाख से 50 लाख रुपये तक मिलने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन अंतिम बोली अनुमान से 16 गुना अधिक रही।

नीलामी से प्राप्त पूरी राशि प्रौद्योगिकी और विज्ञान क्षेत्र में कार्य कर रहे युवा नवप्रवर्तकों की सहायता के लिए दान की जाएगी। फॉर्च्यून की रिपोर्ट के अनुसार यह राशि सैन फ्रांसिस्को स्थित उद्यम पूंजी संस्था लॉन्ग जर्नी वेंचर्स की पहल के अंतर्गत एज इंस्टीट्यूट नामक गैर-लाभकारी संस्था को प्रदान की जाएगी। यह संस्था प्रौद्योगिकी, विज्ञान, संस्कृति और समाज से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाकर नए विचारों और अनुसंधान को बढ़ावा देती है।

सिलिकॉन वैली में जिस प्रकार एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स की काली ऊँची गर्दन वाली पोशाक और मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग की धूसर रंग की टी-शर्ट अथवा हुडी उनकी पहचान रही है, उसी प्रकार जेन्सन हुआंग की काली चमड़े की जैकेट भी प्रौद्योगिकी जगत में उनकी विशेष पहचान बन चुकी है। वे अधिकांश उत्पाद प्रस्तुतीकरण, विकासकर्ता सम्मेलनों और प्रमुख संबोधनों में इसी परिधान में दिखाई देते हैं।

नीलाम की गई यह जैकेट विलासिता परिधान निर्माता टॉम फोर्ड की है, जिसे जेन्सन हुआंग ने 18 अक्तूबर 2023 को ताइपे में आयोजित हॉन हाई प्रौद्योगिकी दिवस कार्यक्रम के दौरान पहना था। नीलामी संस्था ने कार्यक्रम की तस्वीरों से जैकेट का मिलान किया तथा उस पर किए गए हस्ताक्षरों का सत्यापन भी कराया।

फोर्ब्स की वास्तविक समय अरबपति सूची के अनुसार जेन्सन हुआंग लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर अर्थात 16.84 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ विश्व के सातवें सबसे धनी व्यक्ति हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

साप्ताहिक आधार पर 1,040 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी 5 हजार रुपये की गिरावट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 660 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 390 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है। सोने के अलावा चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली तेजी दर्ज की गई है।

भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में गिरावट आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में सस्ता हो गया। इस गिरावट के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सामान्य हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी 21 और 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 20 जुलाई को गल्फ लॉयड्स का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन 21 जुलाई को मेटैलिक टेक्नोफोर्ज का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 23 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर से लेकर 77 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 22 जुलाई को क्यूब हाइवेज ट्रस्ट का 5,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

वैश्विक संकेत और तिमाही परिणाम तय करेंगे बाजार की दिशा

पश्चिम एशिया के घटनाक्रम और कंपनियों के वित्तीय नतीजों पर रहेगी निवेशकों की नजर

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में दर्ज तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम और प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों तथा कंपनियों के वित्तीय परिणामों का बाजार की दिशा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। पिछले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के कारण व्यापक बाजार में दबाव बना रहा। इसके बावजूद सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी से प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद हुए। आने वाले सप्ताह में भी निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर बनी रहेगी। साथ ही इंफोसिस सहित कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने हैं, जिनसे बाजार को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। बीते सप्ताह बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि मंगलवार को इसमें गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को सूचकांक लगभग स्थिर रहा। सप्ताह के अंत में सेंसेक्स 582.06 अंक अर्थात 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,151.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं राष्ट्रीय शेयर बाजार का निफ्टी-50 सूचकांक 127.40 अंक अर्थात 0.52 प्रतिशत बढ़कर 24,334.30 अंक पर पहुंच गया। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत व्यापक बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। निफ्टी मध्यम पूंजीकरण-50 सूचकांक 0.71 प्रतिशत तथा लघु पूंजीकरण-100 सूचकांक 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 16 कंपनियों के शेयरों में साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर 9.63 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाइटन सहित कई कंपनियों के शेयरों में तेजी रही।

स्पेशल खबर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी रही सबसे बड़ी लाभार्थी, पांच कंपनियों के मूल्यांकन में आई गिरावट

शीर्ष दस कंपनियों में पांच का बाजार मूल्य बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में दर्ज हुई तेजी का सकारात्मक प्रभाव देश की शीर्ष दस सबसे मूल्यवान कंपनियों पर देखने को मिला। इनमें से पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में संयुक्त रूप से 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे अधिक लाभ में रही।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर बंबई शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 582.06 अंक अर्थात 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं राष्ट्रीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 127.4 अंक यानी 0.52 प्रतिशत

मजबूत होकर बंद हुआ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 72,072.30 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक तथा बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

दूसरी ओर, शीर्ष दस कंपनियों में शामिल पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान लार्सन एंड टुब्रो को हुआ, जिसका बाजार मूल्य 18,097.72 करोड़ रुपये घटकर 5,24,840.68 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम का मूल्यांकन 12,080.75 करोड़ रुपये घटकर 5,48,124.30 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल के बाजार मूल्य में 7,706.45 करोड़ रुपये की कमी आई, जबकि एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,084.61 करोड़ रुपये घटा। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्य में भी 1,221.79 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती दिखाई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के बेहतर तिमाही परिणाम, बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में बढ़ी खरीदारी तथा देश के मजबूत आर्थिक संकेतकों ने बाजार को सहारा दिया।

विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा

जुलाई में 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश, लगातार दूसरे महीने बनी खरीदारी की धार

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जुलाई माह में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश से आशय बाजार में लगाई गई कुल पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी के अंतर से है। लगातार दूसरे महीने विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में खरीदारी का रुख बनाए रखा है। इससे पहले जून माह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 4,699 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। एक जुलाई से 17 जुलाई के बीच उन्होंने अंश पूंजी में 11,897 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इसके अलावा ऋण साधनों, मिश्रित निवेश साधनों तथा म्यूचुअल फंड में भी उनका निवेश बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार ऋण साधनों में 9,114 करोड़ रुपये, मिश्रित निवेश साधनों में 83 करोड़ रुपये तथा म्यूचुअल फंड में 923 करोड़ रुपये का निवेश किया गया।

हालांकि, चालू वर्ष के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से कुल मिलाकर 1,91,353 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।